समाजशास्त्र (प्रतिष्ठा) ग्रामीण समाजशास्त्र
Paper (पत्र) VI (1)

From -
Dr Arun Kumar
Reader
Dept of Sociology
Shergarh College
SAGARAM.
6/10/20

6/10/20

सामुदायिक विकास योजना के उद्देश्य
Objective of Community Development Project

सामुदायिक विकास योजना के उद्देश्य –

→ (1) ग्रामीण समुदाय का सर्वांगीण विकास करना

→ (2) ग्रामीण व्यक्ति मे सामुदायिक भावना का प्रचार व प्रसार करना।

→ (3) ग्रामीण व्यक्तियो मे उत्तरदायित्व भावना का आत्मज्ञान और स्थानीय समूहो मे कार्य करने की प्रवृति का विकास करना।

→ (4) स्थानीयो संस्थाओ को उत्साहित करना जिससे वे ग्रामीण पुनर्निर्माण के कार्य मे सहायता कर सके।

→ (5) उत्पादन की पद्धतियो मे विकास करना।

→ (6) आवागमन एवम् सन्देश वाहन के साधनो मे वृद्धि करना।

→ (7) शिक्षा का पर्याप्त प्रसार एवम् प्रचार करना।

→ (8) ग्रामीण स्वास्थ तथा स्वच्छता पर ध्यान रखना।

→ (9) ग्रामीण व्यक्तियो को आत्मनिर्भर व प्रगतिशील होने की प्रेरणा देना।

→ (10) कृषि कार्यो मे आधुनिक एव वैज्ञानिक उपकरणो के प्रयोग पर बल देना और उसके महत्व को समझना।

→ (11) कुटीर उद्योग को प्रोत्साहित करना।

→ (12) रोजगार के नये आधार खोजना।

→ (13) साक्षरता का प्रचार व प्रसार करना।

→ (14) सामुदायिक विकास कार्यक्रम को सफल बनाने का प्रयास करना।

→ (15) स्त्रियो की दशा मे सुधार लाना।

→ इसप्रकार सामुदायिक विकास योजना का उद्देश्य सम्पूर्ण ग्रामीण जीवन का सर्वांगीण विकास करना तथा ग्रामीण समुदाय की प्रगति एवम् श्रेष्ठतर जीवन स्तर के लिए पथप्रदर्शन करना।

ग्रामीण पुनर्निर्माण मे सामुदायिक विकास की भूमिका
Role of Community Development in Rural Reconstruction

सामुदायिक विकास योजना के माध्यम से ग्रामीण आर्थिक-सामाजिक-जीवन को परिवर्तन करने काफी सहायता मिली है। इस दृष्टि से सामुदायिक विकास योजना की भूमिका निम्नलिखित है–

(1) खण्ड स्तर के अधिकारी तथा ग्राम सेवक किसानो को कृषि सम्बन्धी जानकारी व प्रशिक्षण देते हैं।

→ 2.

Scanned by TapScanner

→ (2) कृषि व्यवसाय मे कैसे प्रगति करे इसके उपाय बताते है जैसे अच्छे बीज, खाद, वैज्ञानिक उपकरण आदि का प्रयोग करना। अच्छी फसल कैसे उत्पन्न करे और कैसे फसल की कीटाणुओ से रक्षा करें, इसके भी तरीके बताये जाते है।

→ (3) व्यर्थ मे पड़ी भूमि का प्रयोग प्रशिक्षण, फल सब्जी को अधिक कैसे उगाया जाए इसके उपाय बताना।

→ (4) इन योजनाओ ने बंजर भूमि को उपयोगी बनाया है। इससे कृषक को आर्थिक लाभ हुआ और उत्पादन मे वृद्धि भी हुई है। भूमिहीन श्रमिको को कार्य मिला है ग्रामीण जनता के रहन-सहन का स्तर भी सुधरा है

→ (5) कुटीर उद्योग धन्धो के विकास मे सराहनीय कार्य किया गया है। ग्रामीण जनता के रहन-सहन का स्तर भी सुधरा है।

→ (6) इस योजना के माध्यम से स्वास्थ और स्वच्छता की जानकारी भी ग्रामीणो को दी जाती है।

→ (7) शिक्षा का प्रचार एवं प्रसार किया जाता है जैसे रात्रि-पाठशालाओ का चलाना, पुस्तकालय और वाचनालय की स्थापना करना। युवक मण्डल और कृषक सभी की स्थापना करना। विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण केन्द्रो और शिविरो की स्थापना करना।

→ (8) इन योजनाओ से ग्रामीण यातायात और संचार के साधनो की प्रगति हुई है।

→ (9) इसने पंचायत सहकारी समिति को सुचारु रूप से कार्यान्वित किया है।

→ (10) यह योजनाएँ हरिजन, अनुसूचित जातिया, पिछड़े की तथा निर्धन स्त्रियो को कल्याण के लिए काफी महत्वपूर्ण भूमिका अभिनीत कर रही है।

→ (11) इसके अतिरिक्त वे गाँव मे मनोरंजन का भी प्रबंध करती है जैसे- दशहरा और चलचित्रो मेले और हाट की व्यवस्था करना।

सामुदायिक विकास योजनाओ का ग्रामीण पुनर्निर्माण मे महत्वपूर्ण स्थान है। इस योजना के माध्यम से गाँव के आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतिमान मे काफी परिवर्तन हुए है। कृषक वैज्ञानिक खेती से परिचित हुआ है। उत्पादन मे वृद्धि हुई है। रहन-सहन मे परिवर्तन हुआ है उत्पादन मे वृद्धि हुई है। इन्होने अन्धविश्वास और रूढ़ियो को तोड़ने का प्रयास किया है। रोजगार के नये साधनो का विकास हुआ है। यह प्रमाण है कि सामुदायिक विकास कार्यक्रम गाँव के पुनर्निर्माण मे एक विशिष्ट स्थान रखता है।

Scanned by TapScanner

→ बीस सूत्री कार्यक्रम –

– बीस सूत्रीय कार्यक्रम की घोषणा वर्ष 1975 मे की गयी थी, तत्पश्चात वर्ष 1982 – 1986 तथा 2006 मे इस कार्यक्रम की पुर्नसंरचना की जा चुकी है। वर्तमान मे बीस सूत्रीय कार्यक्रम 2006 लागू है। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य पिछडे एव निर्धन व्यक्तियो के जीवन स्तर मे सुधार करना है।

→ उद्देश्य –

गरीबी उन्मूलन
जीवन स्तर मे सुधार
सुशिक्षित एवं जिम्मेवार नागरिक बनाना।

राज्य मे भारत सरकार की प्राथमिकता सम्बन्धी बीस सूत्रीय कार्यक्रम का नियमित अनुश्रवण एवं सफल संपालन मे सम्बन्धित कार्य इस विभाग द्वारा सम्पादित किये जाते है। इसके अन्तर्गत

→ गरीबी हटाओ जनशक्ति, किसान मित्र, श्रमिक कल्याण, खाद्य सुरक्षा सबके लिए आवास, शुद्ध पेयजल, जनजन का स्वास्थ्य, सबके लिए शिक्षा, अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एव अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण, महिला कल्याण, बाल कल्याण, युवा विकास, बस्ती सुधार, पर्यावरण संरक्षण एवं वन वृद्धि, सामाजिक सुरक्षा ग्रामीण सड़क, ग्रामीण ऊर्जा, पिछड़ा क्षेत्र विकास, ई शासन बिन्दु सम्मिलित है। भारत सरकार सांख्यिकी एव कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय को उक्त कार्यों की मासिक रिपोर्ट का प्रेषण किया जाता है।

→ अनुश्रवण व्यवस्था –

→ (1) विकास स्तर (2) राज्य स्तर (3) केन्द्र स्तर

कोर मदें (भारत सरकार द्वारा निर्धारित)

(1) खाद्य सुरक्षा
(क) लक्षित पी० डी० एस०
(ख) अन्त्योदय अन्न योजना
(2) ग्रामीण आवास, इन्दिरा आवास योजना
(3) शहरी आवास ई० डब्लू० एस०/एल० आई० जी०
(4) ग्रामीण क्षेत्रो मे त्वरित ग्रामीण पेयजल आपूर्ति कार्यक्रम
(5) बच्चो का टीकाकरण
(6) ग्रामीण क्षेत्रो मे स्वच्छता कार्यक्रम
(7) अनुसूचित जनजाति परिवारो की सहायता
(8) अनुसूचित जाति परिवारो की सहायता
(9) बाल विकास योजना का सार्वजनिकं (आई० सी० डी० एस० योजना का विस्तार – (संचयी)

—X— X — X —

Prepared –
Dr Anil Kumar
Reader
Dept of Sociology
Sher Shah College - SASARAM -

Scanned by TapScanner